

डॉ. रॉबर्ट ए. पीटरसन, धर्मशास्त्र, सत्र 14, संप्रेषणीय गुण, भाग 1. ईश्वर व्यक्तिगत, प्रभुता संपन्न, बुद्धिमान, सत्यनिष्ठ और विश्वासयोग्य है

© 2024 रॉबर्ट पीटरसन और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. रॉबर्ट पीटरसन द्वारा धर्मशास्त्र उचित, या ईश्वर पर उनके शिक्षण में है। यह सत्र 14, संचारी गुण, भाग 1 है। ईश्वर व्यक्तिगत, संप्रभु, बुद्धिमान, सत्यनिष्ठ और विश्वासयोग्य है।

मैं सेंट चार्ल्स, मिसौरी में कॉव्नेंट ऑफ़ ग्रेस चर्च में वयस्क संडे स्कूल शिक्षक हूँ।

मैं कहता हूँ कि यदि कोई भी व्यक्ति उस क्षेत्र में इन वीडियो को देख रहा है, तो आपका हमारे पास आने और मिलने का हार्दिक स्वागत है, हालाँकि यदि आप बाइबल पर विश्वास करने वाले चर्च के सदस्य हैं, तो हम भेड़-चोरी में शामिल नहीं हैं। हमने परमेश्वर के अद्वितीय या असंप्रेषणीय गुणों का अपना सर्वेक्षण समाप्त कर लिया है। हम उसके संप्रेषणीय या साझा गुणों का सर्वेक्षण शुरू करते हैं।

वे हैं: ईश्वर व्यक्तिगत, संप्रभु, बुद्धिमान, सत्यनिष्ठ, विश्वासयोग्य, पवित्र, धर्मी या न्यायी, प्रेमपूर्ण, अनुग्रहशील, दयालु, अच्छा या उदार, धैर्यवान या सहनशील, और महिमावान है। फिर, हमारे पाठ्यक्रम के अंतिम भाग के लिए, हम ईश्वर के कार्यों से निपटेंगे, जिसमें सृष्टि और विधान, और स्वर्गदूतों की उनकी रचना, साथ ही कुछ देवदूत विज्ञान, शैतान विज्ञान और राक्षस विज्ञान शामिल हैं। लेकिन अभी के लिए, बहुत अधिक सुखद विषय, ईश्वर की संचार योग्य विशेषताएँ।

जैसा कि हमने पहले चर्चा की थी, परमेश्वर के संचारी गुण उसके गुणों या विशेषताओं को संदर्भित करते हैं जो वह अपने लोगों के साथ साझा करता है। हमें अपनी छवि में बनाकर, अपनी कृपा से हमें बचाकर, हमें मसीह के साथ जोड़कर, और हमें मसीह की छवि में क्रमिक रूप से बदलकर, परमेश्वर अपने चरित्र में विश्वासियों को अधिकाधिक रूप से बनाता है। बेशक, वह इनमें से प्रत्येक में डिग्री में परिपूर्ण है, और हम आश्रित प्राणी हैं, जो हमेशा आगे की प्रगति में काम करते हैं।

परमेश्वर स्वाभाविक रूप से इन सभी गुणों से युक्त है, और हम केवल उसकी कृपा से और मसीह में होने के द्वारा ही ये बन रहे हैं। परमेश्वर व्यक्तिगत है। स्वयं-अस्तित्ववान, अनंत, अपरिवर्तनीय और महान परमेश्वर कोई अवैयक्तिक शक्ति नहीं बल्कि एक दिव्य व्यक्ति है।

मनुष्य के रूप में, हम व्यक्ति हैं क्योंकि उसने हमें अपनी छवि में बनाया है। ईश्वर में व्यक्तित्व, बुद्धि, आत्म-जागरूकता और दूसरों से संबंध बनाने की क्षमता के गुण हैं। बुद्धि, आत्म-जागरूकता, सापेक्षता, हम इसे कहेंगे।

परमेश्वर के पास बुद्धि है, क्योंकि उसके पास पूर्ण ज्ञान है, अय्यूब 37:16। वास्तव में, परमेश्वर सब कुछ जानता है, 1 यूहन्ना 3:20। इब्रानियों 4:13 भी देखें। परमेश्वर के पास आत्म-जागरूकता है,

क्योंकि वह कहता है, उद्धरण, मेरी ओर फिरो और पृथ्वी के दूर दूर देशों के रहनेवाले उद्धार पाओ। क्योंकि परमेश्वर मैं ही हूँ, और दूसरा कोई नहीं, यशायाह 45:22। परमेश्वर दूसरों से संबंध रखता है। वह अपने लोगों को जानता है, जैसा कि पौलुस कहता है, उद्धरण, प्रभु उन्हें जानता है जो उसके हैं, 2 तीमुथियुस 2:19। और परमेश्वर के लोग उसे जानते हैं, 1 यूहन्ना 4:7। प्रेम परमेश्वर से है, और जो कोई परमेश्वर से प्रेम करता है, और जो कोई प्रेम करता है, वह परमेश्वर से उत्पन्न हुआ है, और परमेश्वर को जानता है, 1 यूहन्ना 4:7

नहीं, यह गलत है। यह यीशु और विश्वासियों के बीच का मामला है। मैं अच्छा चरवाहा हूँ; मैं अपने लोगों को जानता हूँ, और मेरे लोग मुझे जानते हैं, यूहन्ना 10:14। इसलिए, व्यक्तित्व के गुणों में बुद्धि, आत्म-जागरूकता और सापेक्षता शामिल हैं, और परमेश्वर के पास ये तीनों हैं।

उसके पास एक शक्तिशाली बुद्धि है, वह सर्वज्ञ है, उसे आत्म-जागरूकता है, वह जानता है कि वह ईश्वर है, वह घोषणा करता है कि वह अद्वितीय है, और वह एकमात्र ईश्वर है, और कोई अन्य नहीं है। वह अब्राहमिक/न्यू कोवेनेंट में खुद को उनके प्रति समर्पित करने के कारण अपने लोगों से भी संबंधित है। ईश्वर का व्यक्तिगत होना कई तरह के प्रभावों को जन्म देता है, जिसमें महान आशीर्वाद शामिल हैं।

क्योंकि परमेश्वर अपने सभी गुणों के साथ एक दिव्य व्यक्ति है, वह हमसे हमेशा प्यार करता है, यिर्मयाह 31:3। मैंने तुमसे हमेशा प्यार किया है। वह भटके हुए इस्राएल से ऐसा कह सकता है। परमेश्वर हमें अपने अनुग्रह से बचाता है, इफिसियों 2:8। अनुग्रह से, तुम विश्वास के द्वारा बचाए गए हो।

परमेश्वर हमें सुरक्षित रखता है, रोमियों 8:1. जो लोग मसीह यीशु में हैं, उन पर कोई दण्ड नहीं है। परमेश्वर हमारी प्रार्थनाओं का उत्तर देता है, मत्ती 7:7 और 8. मांगो, खोजो और खटखटाओ। परमेश्वर उत्तर देगा, वह पाया जाएगा, और वह हमारे लिए द्वार खोल देगा।

और परमेश्वर हमें दुःख में सांत्वना देता है, 2 कुरिन्थियों 1:3 और 4. वह हमें सांत्वना देने वाली सांत्वना लेता है और दूसरों को सांत्वना देने के लिए इसका इस्तेमाल करता है। परमेश्वर हमसे हमेशा प्यार करता है, यिर्मयाह 31:3. अपनी कृपा से हमें बचाता है, इफिसियों 2:8. हमें सुरक्षित रखता है, रोमियों 8:1. हमारी प्रार्थनाओं का उत्तर देता है, मत्ती 7:7 और 8. हमें सांत्वना देता है, 2 कुरिन्थियों 1:3 और 4. व्यक्तिगत परमेश्वर ने हमें भी व्यक्तिगत प्राणी बनाया है। हम सोचते हैं, महसूस करते हैं और चुनते हैं।

यानी, हमारे अंदर व्यक्तित्व के तत्व हैं। बुद्धि, आत्म-जागरूकता और सापेक्षता। हम सोचते हैं, महसूस करते हैं और चुनते हैं।

और हम ईश्वर, एक दूसरे और उसकी सृष्टि के साथ संबंधों के लिए बने हैं। हमारा ईश्वर सर्वोच्च है। यह टैग मुझे याद दिलाता है कि असंप्रेषणीय और संप्रेषणीय विशेषताओं के बीच का अंतर कुछ हद तक अस्पष्ट है।

मुझे यह व्यक्तिपरक लगता है। हमारी संप्रभुता और ईश्वर की संप्रभुता साझा होनी चाहिए, जबकि असंप्रेषणीय गुण अद्वितीय हैं। हे भगवान! इसे आसानी से असंप्रेषणीय गुण माना जा सकता है।

और कुछ असंक्रामक लोगों को संक्रामक माना जा सकता है। फिर भी, मैं फिर से कहूँगा। हमें कुछ करना होगा।

और अगर हम समझते हैं कि हमारी लिस्टिंग में खामियाँ हैं, तो यह एहसास होना अच्छी बात है। यह एक विनम्र बात है। लेकिन हम कुछ न करने के बजाय कुछ करते हैं।

और इनमें से कुछ की साझा गुणवत्ता में कुछ सच्चाई है। और सृष्टिकर्ता और उसके प्राणियों के बीच अनंत, सीमित अंतर है। खैर, मैं आगे बढ़ता रहूँगा।

हमारा परमेश्वर सर्वोच्च है। हमारा व्यक्तिगत परमेश्वर भी सर्वोच्च है। सर्वोच्च से हमारा मतलब है कि परमेश्वर के पास सर्वोच्च अधिकार है और वह सभी चीज़ों पर शासन करता है।

परमेश्वर राजा है, और वह अपने लक्ष्यों के लिए सभी चीज़ों की योजना बनाता है और उनका मार्गदर्शन करता है। क्योंकि, उद्धरण, प्रभु ने स्वर्ग में अपना सिंहासन स्थापित किया है, और उसका राज्य सब पर शासन करता है। भजन 103:19.

परमेश्वर की छवियाँ जो उसके संप्रभु होने से संबंधित हैं, उनमें सेनाओं का प्रभु, सेनाओं का प्रभु, यशायाह 2:12 से 18, और राजाओं का राजा, 1 तीमुथियुस 6:15 शामिल हैं। परमेश्वर सांसारिक प्रभुओं का प्रभु है, जिसका बड़ा अक्षर L है। वह मानवीय राजाओं का राजा है, जिसका बड़ा अक्षर K है।

प्रकृति, मानव जीवन और इतिहास पर परमेश्वर का असीमित अधिकार है। भजनकार घोषणा करता है, भजन 135 6, प्रभु स्वर्ग में और पृथ्वी पर, समुद्र और सभी गहराइयों में जो चाहता है वही करता है। भजन 135:6। वास्तव में, परमेश्वर के विश्वासयोग्य प्रेम, सत्य और संप्रभुता के गुण उसे बेजान मूर्तियों से अलग करते हैं और उसके नाम को महिमा देते हैं।

भजन 115:1 से 8. परमेश्वर हमारे जीवन को निर्धारित करता है, जैसा कि दाऊद गर्भ में परमेश्वर के ज्ञान की गवाही देता है। भजन 139:16. “जब मैं निराकार था, तब तेरी आँखों ने मुझे देखा। मेरे सारे दिन तेरी पुस्तक में लिखे हुए थे और उनमें से एक भी शुरू होने से पहले योजना बनाई गई थी।” भजन 139:16. परमेश्वर राष्ट्रों के इतिहास को भी नियंत्रित करता है, जैसा कि पौलुस प्रमाणित करता है।

एक ही मनुष्य से उसने सारी पृथ्वी पर रहने के लिये सब जातियाँ बनाई, और उनके ठहराए हुए समय और उनके रहने की सीमाएँ निर्धारित की हैं। प्रेरितों के काम 17:26. मैं सामान्य रूप से क्रिश्चियन स्टैंडर्ड बाइबल का उपयोग कर रहा हूँ क्योंकि मैंने कुछ परियोजनाओं पर काम किया है, और मेरे मन में यह विचार आया कि यह एक अच्छी बात हो सकती है क्योंकि यद्यपि मैं इसे कभी-कभी सही करता हूँ, यह एक अच्छी बात हो सकती है क्योंकि यह एक मामूली अंतर हमें

यह समझने में मदद कर सकता है कि हमने कुछ चीजों को बस मान लिया है, और हम कुछ अंशों से इतने परिचित हैं कि हम उनके बारे में नहीं सोचते हैं, इसलिए यह अच्छा हो सकता है।

हालाँकि परमेश्वर हम सभी को हमारे कार्यों के लिए उत्तरदायी ठहराता है, फिर भी उसकी सर्वोच्च योजना कभी विफल नहीं होती। अय्यूब 42:2. सृष्टिकर्ता-सृजन का भेद उसकी संप्रभुता को रेखांकित करता है, क्योंकि परमेश्वर के पास स्वाभाविक रूप से अपनी सृष्टि पर अधिकार है। हालाँकि शक्तिशाली राष्ट्र योजनाएँ बनाते हैं, लेकिन परमेश्वर की इच्छा के बिना कोई भी सफल नहीं हो सकता।

उद्धरण, प्रभु राष्ट्रों की युक्तियों को विफल कर देता है। वह लोगों की योजनाओं को विफल कर देता है। प्रभु की युक्ति सदा स्थिर रहती है, उसके हृदय की योजनाएँ पीढ़ी दर पीढ़ी बनी रहती हैं।

भजन 33:10 और 11 इस संबंध में बहुत महत्वपूर्ण है। मैंने अभी इसे पढ़ा है, इसलिए मैं इसे फिर से पढ़ूंगा। प्रभु राष्ट्रों की सलाह को विफल कर देता है।

वह लोगों की योजनाओं को विफल कर देता है। योजनाओं की सलाह देने वाले शब्दों पर ध्यान दें। वे शब्द दोहराए गए हैं।

यहोवा की युक्ति सदैव स्थिर रहती है, उसके मन की युक्ति पीढ़ी से पीढ़ी तक बनी रहती है। भजन 33:10 से 11. दानियेल 4:34 और 35 भी देखें।

पवित्रशास्त्र सिखाता है कि हम वास्तविक और सार्थक निर्णय लेते हैं, ठीक वैसे ही जैसे यह भी सिखाता है कि परमेश्वर सर्वोच्च है। इफिसियों 1:11. वह वही है जो अपनी इच्छा के निर्णय के अनुसार सब कुछ करता है।

इफिसियों 1:11. मानवीय जिम्मेदारी और ईश्वरीय संप्रभुता दो सत्य हैं, जिनकी पुष्टि शास्त्र में की गई है। जैसे-जैसे हम आगे बढ़ेंगे, यह स्पष्ट होता जाएगा कि हम मनुष्यों के पास वास्तविक स्वतंत्रता है, जो ईश्वर की ओर से एक उपहार है, ईश्वर की छवि में बनाए जाने से प्रवाहित होती है, हमारी प्राणी पहचान से संबंधित है, हमारी पतित स्थिति के माध्यम से अस्थायी रूप से व्यक्त की जाती है, और अंततः नई सृष्टि में पूरी तरह से अच्छी होगी।

बाइबल में इन दोनों सच्चाइयों के बहुत से उदाहरण हैं। एक उल्लेखनीय उदाहरण वह है जब यूसुफ के भाइयों ने उसके विरुद्ध जघन्य पाप किया, उसे गुलामी में बेच दिया। उत्पत्ति 37:26 से 28.

फिर भी यूसुफ कहता है कि परमेश्वर नियंत्रण में है। उत्पत्ति 45 अध्याय चार से आठ। वह उनसे कहता है, तुमने मेरे विरुद्ध बुरी योजना बनाई।

मैं उद्धृत कर रहा हूँ, परमेश्वर ने इसे अच्छे के लिए योजना बनाई थी। 50 और श्लोक 20. उत्पत्ति 45:48 में, परमेश्वर कहते हैं, तुमने मुझे यहाँ नहीं लाया, बल्कि परमेश्वर ने मुझे यहाँ लाया।

बेशक, वे उसे यहाँ लाए थे। लेकिन आखिरकार नहीं। वह इस बात से इनकार नहीं कर रहा है कि वे बुरे थे और उन्होंने पाप किया था।

लेकिन आखिरकार, तुम मुझे यहाँ नहीं लाए, भाइयों, बल्कि परमेश्वर ने अपनी संप्रभु इच्छा प्रकट की। और इसके अलावा, वही कार्य उस बात का प्रदर्शन है जिसे हम दोहरी कार्य-कारण कहते हैं। तुमने मेरे खिलाफ़ बुराई की योजना बनाई।

परमेश्वर ने इसे अच्छे के लिए योजना बनाई थी। उत्पत्ति 50 और पद 20। इसे समझाना कठिन है, लेकिन यह बाइबल की एक विशेषता है, जिसे आप क्रूस पर चढ़ने के मामले में भी देख सकते हैं।

दुष्ट मनुष्य बुराई की योजना बनाते हैं। प्रभुता सम्पन्न परमेश्वर बुराई से कलंकित नहीं है, लेकिन उसी दुष्ट कार्य में, वह न केवल योजना बनाता है, बल्कि अच्छाई भी लाता है। क्या? यही ईश्वरीय संप्रभुता और मानवीय जिम्मेदारी का रहस्य है।

हालाँकि हम इसे पूरी तरह से समझ नहीं सकते हैं, लेकिन भाई जो बुराई करने का इरादा रखते हैं, परमेश्वर उसे अच्छाई के लिए बदल देता है। यूसुफ़ के भाई पाप करते हैं और ऐसा करके परमेश्वर का विरोध करते हैं। फिर भी परमेश्वर संप्रभुतापूर्वक उनके द्वारा चुने गए पाप का उपयोग यूसुफ़ के उद्धार के लिए करता है, जिसके कारण उसके वाचा के लोगों को बचाया जाता है।

भाई का पाप परमेश्वर की योजना में बाधा नहीं डालता, बल्कि किसी रहस्यमय तरीके से, यह उन साधनों में से एक है जिसके द्वारा परमेश्वर अपनी योजना को पूरा करता है। अगर मैं इन बातों को समझाने में अति आत्मविश्वासी लग रहा हूँ, तो ऐसा नहीं है। यह रहस्यमय है।

सबसे उल्लेखनीय उदाहरण है मसीह का क्रूस पर चढ़ना। यह घटना मानव इतिहास का सबसे बुरा अपराध है, यानी एकमात्र पापरहित व्यक्ति की अवैध हत्या, परमेश्वर के पुत्र की हत्या। लेकिन इस घटना में, परमेश्वर मानव इतिहास में सबसे बड़ा भला करता है: मुक्ति।

पतरस यहूदी नेताओं से कहता है, उद्धरण, यद्यपि यीशु को परमेश्वर की निर्धारित योजना और पूर्वज्ञान के अनुसार सौंप दिया गया था, फिर भी आपने उसे क्रूस पर चढ़ाने और उसे मार डालने के लिए अधर्मियों का उपयोग किया। प्रेरितों के काम 2:23। बाद में, प्रेरितों ने प्रार्थना की, क्योंकि वास्तव में, इस शहर में, हेरोदेस और पुन्तियुस पिलातुस दोनों, अन्यजातियों और इस्राएल के लोगों के साथ, आपके पवित्र सेवक यीशु के खिलाफ़ इकट्ठे हुए, जिसे आपने अपने हाथ और अपनी इच्छा के अनुसार जो कुछ भी होने के लिए पहले से ही निर्धारित किया था, उसे करने के लिए अभिषेक किया।

प्रेरितों के काम 4:27 और 28. यहूदी नेताओं और अन्यजातियों की दुष्ट साज़िश, जिसे पतरस भजन 2 की भविष्यवाणियों की पूर्ति मानता है, जो दुष्टता उन्होंने की, उसने वही किया जो परमेश्वर ने पहले से तय किया था। अधर्मी लोग, प्रेरितों के काम 2:23, मसीह को मार डालते हैं जब यहूदी और अन्यजाति उसकी मृत्यु को स्वीकार करते हैं।

परमेश्वर की संप्रभुता मानवीय जिम्मेदारी को खत्म नहीं करती। और जिन्होंने यीशु की हत्या की, वे दोषी हैं। साथ ही, बेवजह, परमेश्वर ने अपनी स्वतंत्र रूप से चुनी गई और घृणित बुराई को अच्छे के लिए इस्तेमाल किया, जबकि उसने खुद बुराई को मंजूरी नहीं दी या उसे अंजाम नहीं दिया।

यीशु का क्रूस पर चढ़ना, परमेश्वर की निर्धारित योजना और पूर्वज्ञान के अनुसार होता है, उद्धरण बंद करें। प्रेरितों के काम 2:23। दुष्ट लोग वही करते हैं जो परमेश्वर ने पहले से तय कर रखा था।

प्रेरितों के काम 4:28. इन दो सच्चाइयों, परमेश्वर की पूर्ण संप्रभुता और मानव जाति की वास्तविक जिम्मेदारी की संक्षिप्त चर्चा के लिए। डीए कार्सन, *हाउ लॉन्ग, ओ लॉर्ड?* 177 से 220 देखें।

अधिक विस्तृत विवरण के लिए, डीए कार्सन, *दिव्य संप्रभुता और मानवीय जिम्मेदारी, बाइबिल परिप्रेक्ष्य तनाव में देखें*। जैसा कि ईश्वर के सभी गुणों के बारे में सच है, हम ईश्वर की संप्रभुता के बारे में अपने दृष्टिकोण में गलतियाँ करेंगे यदि हम यह देखने में विफल रहते हैं कि यह कैसे संबंधित है और उसके अन्य गुणों के साथ कैसे जुड़ा हुआ है। आखिरकार, हम संप्रभुता की अवधारणा का अध्ययन नहीं कर रहे हैं, बल्कि हमारे ईश्वर का अध्ययन कर रहे हैं, जो संप्रभु है।

उसकी संप्रभुता व्यक्तिगत, अनंत, शक्तिशाली, अच्छी, बुद्धिमान, प्रेमपूर्ण, न्यायपूर्ण, इत्यादि है। उसकी संप्रभुता अंधकारमय या मनमौजी नहीं है, बल्कि यह एक अच्छी संप्रभुता है क्योंकि वह अच्छा है, उसका कोई अंधकारमय पक्ष नहीं है, वह कभी बुरा नहीं होता, और कभी बुरा नहीं करता। याकूब 1:13 से 18.

1 यूहन्ना 1:5. उसका शासन एक अलग तानाशाह का नहीं है, बल्कि हमारे निजी और स्वर्ग में पिता का है, जिससे हम प्रार्थना कर सकते हैं। मत्ती 6:9 से 13. उसका राजत्व प्रभाव के लिए होड़ नहीं है, बल्कि एक अनंत और शक्तिशाली परमेश्वर की सार्वभौमिक और प्रभावी संप्रभुता है।

उसका प्रभुत्व सर्वव्यापक है, वह सभी चीजों का मार्गदर्शन करता है, यहाँ तक कि हमारे द्वारा चुने गए पाप का भी, अपने इच्छित उद्देश्यों के लिए, जो हमारे भले के लिए हैं। रोमियों 8:28. मसीह के पास भी स्वर्ग और पृथ्वी का सारा अधिकार है।

मत्ती 28:18. वास्तव में, पिता स्वर्ग में अपने दाहिने हाथ पर बैठता है, बैठता है, अपने बेटे को बैठाता है, उद्धरण, हर शासक और अधिकार, शक्ति और प्रभुत्व से बहुत ऊपर, और हर शीर्षक दिया जाता है, न केवल इस युग में, बल्कि आने वाले युग में भी। और उसने सब कुछ अपने पैरों के नीचे कर दिया।

इफिसियों 1:20 से 22. यह तथ्य कि हमारा परमेश्वर सर्वोच्च है, हमें आनन्दित करता है। भजन संहिता 97:1. प्रभु राज्य करता है, पृथ्वी आनन्दित हो, बहुत से तट और द्वीप प्रसन्न हों।

भजन 97:1. परमेश्वर का शासन हमें सांत्वना देता है। नूह को याद करते हुए, दाऊद गाता है, उद्धरण, प्रभु जलप्रलय पर सिंहासनारूढ़ होकर बैठता है। क्षमा करें, यदि यह नूह को संदर्भित करता है, तो इसका अनुवाद होना चाहिए, प्रभु जलप्रलय पर सिंहासनारूढ़ होकर बैठता है।

प्रभु हमेशा के लिए राजा के रूप में सिंहासन पर विराजमान हैं। प्रभु अपने लोगों को शक्ति देते हैं। प्रभु अपने लोगों को शांति का आशीर्वाद देते हैं।

भजन 29:10 और 11. तूफ़ान भजन। परमेश्वर का राजसी शासन हमारी आशा को प्रेरित करता है।

जैसा कि हम जानते हैं कि अंततः परमेश्वर जीतता है, बुराई हारती है, और न्याय प्रबल होता है। अपने अद्वितीय संप्रभु शासन में, परमेश्वर मनुष्यों की रचना करता है और उन्हें अपने सर्वशक्तिमान हाथ के अधीन शासन का एक माप देता है। उत्पत्ति 1 26 से 31।

और परमेश्वर की प्रेमपूर्ण संप्रभुता हमारी सेवा का मार्गदर्शन करती है जब हम उसकी सृष्टि की जिम्मेदारी से सेवा करते हैं, और अत्याचारी नहीं बल्कि प्रबंधक के रूप में अपना प्रभुत्व व्यक्त करते हैं। फुटनोट। यकीनन परमेश्वर की संप्रभुता उसके अकथनीय गुणों के अंतर्गत आती है।

मैं कहूंगा कि हमने इसे यहां रखा है, क्योंकि वह अपने नियम को हमारे साथ साझा करता है, भले ही वह थोड़ा सा ही क्यों न हो। यह ठीक है। आपको इसे किसी तरह से करना होगा, या आप भगवान के बारे में बात नहीं करेंगे।

तो, हम ईश्वर के बारे में बात करते हैं, और मुझे लगता है कि हमें हर बार खुद को याद दिलाना चाहिए कि हम जो बात कर रहे हैं, उसके बारे में हमें ठीक से पता नहीं है। यह सच नहीं है। ईश्वर ने खुद को हमारे सामने प्रकट किया है, और वह यही चाहता है कि हम केवल यही जानें।

हम उसे जितना हो सके उतना समझने की कोशिश करते हैं। हमारा परमेश्वर बुद्धिमान है। बुद्धिमान से हमारा मतलब है कि हमारा सर्वज्ञ परमेश्वर अपने उद्देश्यों को पूरा करने के लिए अपने ज्ञान का उपयोग करता है।

जेआई पैकर का मानना है कि बुद्धि देखने की शक्ति है और सबसे अच्छे और उच्चतम लक्ष्य को चुनने की प्रवृत्ति है, साथ ही इसे प्राप्त करने के सबसे सुरक्षित साधन भी। बुद्धि वास्तव में नैतिक अच्छाई का व्यावहारिक पक्ष है। इस प्रकार, यह केवल ईश्वर में ही पाया जाता है, यह अपनी पूर्णता में केवल ईश्वर में ही पाया जाता है।

वह प्रकट होता है, वह अकेला स्वाभाविक रूप से और पूरी तरह से और हमेशा बुद्धिमान होता है। ईश्वर को जानना, पृष्ठ 80. यदि आपने ईश्वर को जानना नहीं पढ़ा है, तो इसे अपनी अवश्य करने वाली सूची में शामिल करें।

यह सबसे अधिक शिक्षाप्रद पुस्तकों में से एक है और इसकी दस लाख प्रतियाँ बिक चुकी हैं। जिम पैकर द्वारा *लिखित 'नोइंग गॉड'*, जो अब प्रभु के साथ है। जी.आई. पैकर।

बुद्धि की व्यावहारिकता तब चमकती है जब परमेश्वर इसे लोगों को देता है। वह बसलेल को निवासस्थान के लिए सामान बनाने के लिए बुद्धि, कौशल और शिल्प कौशल देता है। निर्गमन 31:1-5.

वह यहोशू को इस्राएल का नेतृत्व करने के लिए बुद्धि देता है। व्यवस्थाविवरण 34:9. और सुलैमान को इस्राएल पर शासन करने के लिए बुद्धि देता है। 1 राजा 3:12.

बसलेल, निर्गमन 31:1-5. यहोशू, व्यवस्थाविवरण 34:9. सुलैमान, 1 राजा 3:12. दोनों नियम परमेश्वर की महान बुद्धि का गुणगान करते हैं।

अय्यूब ने कहा, बुद्धि और शक्ति परमेश्वर की है। युक्ति और समझ भी उसी की है, अय्यूब 12:13। परमेश्वर की बुद्धि अथाह और निर्विवाद है।

जैसा कि पॉल ने कहा, उद्धृत करें, ओह, परमेश्वर का धन और बुद्धि और ज्ञान कितना गहरा है। उसके विचार कितने अथाह और उसके मार्ग कितने अगम हैं। रोमियों 11:33।

परमेश्वर अपने सभी कार्यों में, विशेष रूप से सृष्टि और उद्धार में अपनी बुद्धि प्रदर्शित करता है। नीतिवचन सृष्टि में उसकी बुद्धि की घोषणा करता है, उद्धारण, प्रभु ने पृथ्वी की नींव बुद्धि से रखी और स्वर्ग को समझ से स्थापित किया, नीतिवचन 3:19। भजन संहिता, भजन 104:24 और अय्यूब 10:12 भी देखें।

मुक्ति परमेश्वर की बुद्धि को भी दर्शाती है। अनुग्रह से परमेश्वर ने हमें मसीह में बचाया, उद्धारण, सभी बुद्धि और समझ के साथ, इफिसियों 1:8। हालाँकि दुनिया की बुद्धि का खंडन करते हुए, प्रेरितों ने, उद्धारण, यीशु मसीह और उसे क्रूस पर चढ़ाए जाने के बारे में बताया, 1 कुरिन्थियों 2:2। और, उद्धारण, रहस्य में परमेश्वर की छिपी हुई बुद्धि के बारे में बात करते हैं। श्लोक 7, 1 कुरिन्थियों 2:2 और श्लोक 7। परमेश्वर सुसमाचार में अपनी बुद्धि को प्रकट करता है।

पॉल तीमुथियुस से कहता है, उद्धारण, बचपन से ही तुम पवित्र शास्त्रों को जानते हो जो तुम्हें बुद्धि दे सकते हैं, तुम्हें उद्धार के लिए बुद्धिमान बना सकते हैं, सचमुच मसीह यीशु में विश्वास के माध्यम से, 2 तीमुथियुस 3:15। जैसा कि हमने अन्य गुणों के लिए देखा है, मसीह में भी बुद्धि का एक दिव्य गुण है। पुराने नियम में मसीहा के मसीहा की भविष्यवाणी की गई है, उद्धारण, प्रभु की आत्मा उस पर विश्राम करेगी, बुद्धि और समझ की आत्मा, सलाह और ताकत की आत्मा, ज्ञान की आत्मा, यशायाह 11:2। पॉल विश्वासियों से कहता है, उद्धारण, तुम मसीह यीशु में हो जो हमारे लिए परमेश्वर की ओर से बुद्धि बन गया।

हमारी धार्मिकता, पवित्रता और छुटकारा, 1 कुरिन्थियों 1:30। वास्तव में प्रेरित मसीह के बारे में कहते हैं, उसमें बुद्धि और ज्ञान के सभी खजाने छिपे हुए हैं, कुलुस्सियों 2:3। पुराने नियम का उद्धारण यशायाह 11:2 से था। मसीह हमारे लिए परमेश्वर की बुद्धि बन गया, 1 कुरिन्थियों 1:30। और उसमें बुद्धि और ज्ञान के खजाने छिपे हुए हैं, कुलुस्सियों 2:3। परमेश्वर की बुद्धि उसके वचन को दृढ़ करती है।

परिणामस्वरूप, हम पवित्रशास्त्र को पढ़ते और उस पर मनन करते हुए बुद्धि में बढ़ते हैं, भजन 119:98 और 99। इसके अलावा, जैसा कि हम उद्धृत करते हैं, परमेश्वर का वचन हमारे बीच में अधिकाई से वास करे; हम भजन संहिता में एक दूसरे को सिखाते और चिताते हैं, परमेश्वर के प्रति कृतज्ञता के साथ भजन, स्तुतिगान और आत्मिक गीतों के माध्यम से पूरी बुद्धि से, कुलुस्सियों 3, 16। भजन 119:98, 99, और फिर कुलुस्सियों 3:16।

परमेश्वर की बुद्धि प्रशंसा के योग्य है, जैसा कि पौलुस ने स्वीकार किया है, उद्धरण, यीशु मसीह के माध्यम से एकमात्र बुद्धिमान परमेश्वर को, उसकी महिमा सदा-सर्वदा होती रहे, आमीन, रोमियों 16:27। यूहन्ना मसीह को स्तुति में दिए गए गुणों के बारे में बताता है, जिसमें बुद्धि भी शामिल है, प्रकाशितवाक्य 5:12। वह स्तुति में बुद्धि को भी शामिल करता है, उस स्तुति में जो स्वर्गदूत, प्राचीन और चार जीवित प्राणी परमेश्वर को अर्पित करते हैं, प्रकाशितवाक्य 7:11, और 12।

उदारता से, नीतिवचन 2:6, प्रभु अपने मुख से ज्ञान और समझ के साथ बुद्धि देता है, नीतिवचन 2:6। जवाब में, हमें विश्वास में उससे बुद्धि मांगने के लिए बुलाया गया है, याकूब 1:5। अब, यदि तुम में से किसी को बुद्धि की घटी हो, तो उसे परमेश्वर से माँगना चाहिए जो सभी को उदारता और निःस्वार्थ भाव से देता है और उसे दी जाएगी, याकूब 1:5। परमेश्वर की बुद्धि प्रभु के भय से शुरू होती है, नीतिवचन 9:10। परमेश्वर की बुद्धि ईश्वरीय जीवन जीने का कौशल है, नीतिवचन 4:11। और परमेश्वर की बुद्धि का परिणाम वह सब होता है, उद्धरण, पहले शुद्ध, फिर शांतिप्रिय, नम्र, आज्ञाकारी, दया और अच्छे फलों से भरा हुआ, बिना दिखावे के अटल, याकूब 3:17।

मुझे जॉन फीनबर्ग का ज़िक्र ज़्यादा बार करना चाहिए था, उनके जैसा कोई नहीं है। मैंने पहले भी इसका ज़िक्र किया था, फीनबर्ग के पास सेमिनरी की डिग्री है, शायद वहाँ डॉक्टरेट की डिग्री है, लेकिन फिर शिकागो विश्वविद्यालय से दर्शनशास्त्र में पीएचडी की डिग्री है। इसलिए, उनका व्यवस्थित धर्मशास्त्र का काम दार्शनिक रूप से चतुर है और मैंने कुछ अंतर्दृष्टि के लिए उन पर भरोसा किया है, खासकर यह अगला वाक्य, उदाहरण के लिए, यह कहने के बाद कि हमारा ईश्वर सत्यवादी है।

सत्यवादी से हमारा मतलब दो चीज़ों से है। ईश्वर ही एकमात्र सच्चा ईश्वर है, और वह हमेशा सच बोलता है। इसलिए, ईश्वर की सत्यता का मतलब है कि वह एकमात्र सच्चा ईश्वर है, और वह हमेशा सच बोलता है।

केवल एक ही है, और वह है फीनबर्ग, उसके जैसा कोई नहीं, पृष्ठ 3, 7, 2। केवल एक ही जीवित और सच्चा परमेश्वर है जैसा कि शास्त्र पुष्टि करता है, यिर्मयाह 10:10। लेकिन प्रभु ही सच्चा परमेश्वर है। वह जीवित परमेश्वर और शाश्वत राजा है, यिर्मयाह 10:10।

2 इतिहास 15:3 भी देखें। 1 थिस्सलुनीकियों 1:9 बहुत सुंदर है। मैं उस पर आता हूँ। यह थिस्सलुनीकियों की कलीसिया की अच्छी गवाही के बारे में बताता है।

1 थिस्सलुनीकियों 1:7, मकिदुनिया और अखया के सब विश्वासियों के लिये तुम आदर्श ठहरे। क्योंकि तुम्हारे द्वारा न केवल मकिदुनिया और अखया में प्रभु का वचन सुनाया गया, वरन परमेश्वर पर तुम्हारा विश्वास हर जगह फैल गया, वरन् उनके अपने प्रान्तों से आगे भी, यहां तक कि हमें कुछ कहने की आवश्यकता नहीं। क्योंकि वे आप ही हमारे विषय में बताते हैं कि तुम्हारे बीच हमारा कैसा स्वागत हुआ, और तुम कैसे मूरतों को छोड़कर परमेश्वर की ओर फिरे, कि जीवते और सच्चे परमेश्वर की सेवा करो, और उसके पुत्र यीशु के स्वर्ग से आने की बाट जोहते रहो, जिसे उसने मरे हुआओं में से जिलाया, और जो हमें आनेवाले प्रकोप से बचाता है।

उनका धर्म परिवर्तन हुआ। बाइबल के अनुसार, धर्म परिवर्तन का मतलब है पाप से मुड़ना और पाप की ओर मुड़ना। पाप से मुड़ना पश्चाताप है।

सुसमाचार में मसीह की पेशकश के अनुसार उसकी ओर मुड़ना विश्वास है। वे मूर्तियों से जीवित और सच्चे परमेश्वर की ओर मुड़ते हैं। यह एक बाइबिल आधारित परिवर्तन है।

1 थिस्सलुनीकियों 1:9. 1 यूहन्ना 5:20 से भी तुलना करें। परमेश्वर की एक छवि जो उसके सत्यनिष्ठ होने से संबंधित है, वह प्रकाश है, भजन संहिता 27, 1. प्रकाश कभी-कभी परमेश्वर की पवित्रता के बारे में भी बोलता है। बाइबल की छवियाँ हमेशा एकरूप नहीं होतीं।

एकमात्र सच्चा परमेश्वर सत्यवादी है, जैसा कि वह पुष्टि करता है, यशायाह 45:19। मैं, प्रभु, सत्य बोलता हूँ। मैं वही घोषित करता हूँ जो सही है, या जैसा कि यूहन्ना कहते हैं, "परमेश्वर सत्य है," यूहन्ना 3:33।

दाऊद को अकेले में ही सांत्वना मिलती है, भजन 31:5। हे प्रभु, सत्य के परमेश्वर, तूने मुझे छुड़ाया है, भजन 31, 5। यशायाह 65:16 भी देखें। पौलुस अविश्वास के विचार से नाराज़ है जो परमेश्वर की वफ़ादारी को रद्द कर देता है। "बिल्कुल नहीं।"

परमेश्वर को सच्चा रहने दो, भले ही हर कोई झूठा हो, रोमियों 3, 4। क्योंकि परमेश्वर सत्यवादी है, वह झूठ नहीं बोलता, जैसा कि शमूएल जोर देता है। उद्धरण, इसके अलावा, इस्राएल का शाश्वत परमेश्वर झूठ नहीं बोलता या अपना मन नहीं बदलता, क्योंकि वह ऐसा मनुष्य नहीं है जो अपना मन बदलता है, 1 शमूएल 15:29, जिसे हमने पहले देखा था। संख्या 23:19 भी देखें।

पौलुस ने संक्षेप में कहा है। "परमेश्वर झूठ नहीं बोल सकता," तीतुस 1:2। सच्चा परमेश्वर हमेशा सच बोलता है और कभी झूठ नहीं बोलता। इसलिए, उसका वचन सत्य है, जैसा कि यह बहुतायत से पुष्टि करता है।

हे प्रभु परमेश्वर, तू परमेश्वर है, तेरे वचन सत्य हैं, 2 शमूएल 7:29। मुझे अपने सत्य में मार्गदर्शित कर और मुझे सिखा, क्योंकि तू ही मेरा उद्धार करनेवाला परमेश्वर है, भजन संहिता 25:5। यीशु ने प्रार्थना की, अपने चेलों को सत्य के द्वारा पवित्र कर। तेरा वचन सत्य है, यूहन्ना 17:17।

आप पहले ही सत्य के वचन, सुसमाचार, कुलुस्सियों 1:5 में इस आशा के बारे में सुन चुके हैं। परमेश्वर की अपनी पसंद से, उसने हमें सत्य के वचन से जन्म दिया, जैसा कि हमने याकूब 1:18

में देखा। मैं बस उन संदर्भों को दोहराऊंगा, 2 शमूएल 7:28, भजन 25:5, यूहन्ना 17:17, कुलुस्सियों 1:5, और याकूब 1:18। वास्तव में, परमेश्वर का सारा वचन सत्य है।

भजन 119 और पद 160 में कहा गया है कि आपके वचन की संपूर्णता सत्य है। आपके प्रत्येक धार्मिक निर्णय हमेशा के लिए बने रहते हैं, भजन 119, 160। पॉल बताता है कि ऐसा क्यों है, उद्धरण, सभी शास्त्र परमेश्वर से प्रेरित हैं, 2 तीमुथियुस 3, 16।

परिणामस्वरूप, उनका वचन सत्य का मानक है। सत्य के विचारों और तर्कों की चर्चा के लिए कि शास्त्र सत्य के पत्राचार सिद्धांत को मानता है, फीनबर्ग, उनके जैसा कोई नहीं, 38 से 148 देखें। आपको लगता है कि दार्शनिक चर्चाएँ शब्दाडंबरपूर्ण हो जाती हैं, विस्तारित हो जाती हैं, और फीनबर्ग, उनके जैसा कोई नहीं, 38 से 148 और 370 से 374।

किसी को वह काम करने की ज़रूरत है क्योंकि कुछ लोगों को उन जवाबों की ज़रूरत है। परमेश्वर वादा करता है, परमेश्वर के वादे भी सच हैं जैसा कि यहोशू ने जोर दिया, उद्धरण, आप अपने पूरे दिल और अपनी पूरी आत्मा से जानते हैं कि आपके परमेश्वर यहोवा ने आपसे जो भी अच्छे वादे किए थे, उनमें से कोई भी विफल नहीं हुआ है। आपके लिए सब कुछ पूरा हुआ, एक भी वादा विफल नहीं हुआ, यहोशू 23:14।

21:45, यहोशू 23:14, 21, 45 भी देखें। बाइबल पुत्र और पवित्र आत्मा को सत्यता का दिव्य गुण बताती है, जिससे उनके ईश्वरत्व पर जोर पड़ता है। पुत्र सत्य है, यूहन्ना 14:6। यीशु ने कहा, मैं ही मार्ग, सत्य और जीवन हूँ।

पुत्र अनुग्रह और सत्य से परिपूर्ण है, यूहन्ना 1:14। पुत्र सत्य बोलता है, यूहन्ना 8:40 और 18:37। यह लोगों को स्वतंत्र करता है, यूहन्ना 8:32।

पवित्र आत्मा सत्य की आत्मा है, यूहन्ना 14:17. यूहन्ना 14:17, आत्मा सत्य की आत्मा है, यूहन्ना 15:26, 16:13. आत्मा सत्य है और झूठ नहीं है, 1 यूहन्ना 2:27.

सच्चा परमेश्वर झूठ नहीं बोलता। हम उसके वचन पर भरोसा कर सकते हैं और वह अपने वादों को पूरा करेगा। पवित्रशास्त्र नियमित रूप से और विभिन्न तरीकों से परमेश्वर के चरित्र और वचन में उसकी सच्चाई को लागू करता है।

उसका सत्य हमें दोषी ठहराता है और हमें स्वीकारोक्ति की ओर ले जाता है, 1 यूहन्ना 1:8 से 10. जिसकी संगति परमेश्वर चाहता है, उद्धरण, वह निर्दोष जीवन जीता है, धार्मिकता का अभ्यास करता है, और अपने हृदय में सत्य को स्वीकार करता है, भजन 15:1 और 2. परमेश्वर का सत्य हमारी रक्षा करता है, भजन 40, पद 11, और हमारा मार्गदर्शन करता है, भजन 25:5. भजन 15:1 और 2. परमेश्वर का सत्य हमारी रक्षा करता है, 40:11. परमेश्वर का सत्य हमारा मार्गदर्शन करता है, 25 :5. परमेश्वर हमें एक दूसरे से सत्य बोलने का आदेश देता है, जकर्याह 8:16, इफिसियों 4:25.

और, उद्धरण के अनुसार, प्रेम को शब्दों या भाषण में नहीं, बल्कि कर्म और सच्चाई में व्यक्त करना चाहिए, 1 यूहन्ना 3:18। शास्त्र में परिश्रम हमें सत्य के वचन को सही ढंग से सिखाने के लिए तैयार करता है, 2 तीमथियुस 2:15। हमारा परमेश्वर विश्वासयोग्य है।

वफ़ादार से हमारा मतलब है कि परमेश्वर अपने चरित्र, कार्यों और शब्दों में विश्वसनीय है। परमेश्वर इस्राएल को छुड़ाता है क्योंकि प्रभु उन पर अपना प्रेम रखता है और उन्हें चुनता है, व्यवस्थाविवरण 7:7 और 8। वह चाहता है कि इस्राएल को पता चले कि यहोवा, तुम्हारा परमेश्वर, परमेश्वर है, वह वफ़ादार परमेश्वर है जो अपने अनुग्रहपूर्ण वाचा को हजार पीढ़ियों तक उन लोगों के साथ रखता है जो उससे प्रेम करते हैं और उसकी आज्ञाओं को मानते हैं, व्यवस्थाविवरण 7:9। वफ़ादारी से संबंधित परमेश्वर की छवियों में पति, होशे 3:1, शक्ति, चट्टान, किला, पहाड़, ढाल, सींग और गढ़ शामिल हैं, जो सभी भजन 18:1 और 2 में पाए जाते हैं। यह निश्चित रूप से फिर से पढ़ने लायक है, इसके संदर्भ में पढ़ना। वाह।

मुझे लगता है कि प्रभु हमें यह बताना चाहते हैं कि वे वफ़ादार हैं। भजन का शीर्षक कहता है, यह तब की बात है जब प्रभु ने दाऊद को उसके सभी शत्रुओं से बचाया था, विशेष रूप से शाऊल का उल्लेख करते हुए। हे प्रभु, मेरी शक्ति, मैं तुमसे प्रेम करता हूँ।

प्रभु मेरी चट्टान, मेरा गढ़ और मेरा उद्धारकर्ता है। मेरा परमेश्वर, मेरी चट्टान, जिसमें मैं शरण लेता हूँ, मेरी ढाल और मेरे उद्धार का सींग, मेरा गढ़। मैं प्रभु को पुकारता हूँ जो स्तुति के योग्य है और मैं अपने शत्रुओं से बचा हूँ।

मौत की रस्सियाँ मुझे घेर रही थीं। विनाश की बाढ़ मुझ पर टूट पड़ी। रस्सियाँ मुझे उलझा रही थीं।

मौत के फंदे मेरे सामने थे। अपने संकट में, मैंने प्रभु को पुकारा। अपने परमेश्वर से, मैंने मदद के लिए पुकारा।

अपने मंदिर से उसने मेरी आवाज़ सुनी और मेरी पुकार उसके कानों तक पहुँची। यह एक बहुत लंबा भजन है। इसके लिए, हे यहोवा, मैं राष्ट्रों के बीच तेरी स्तुति करूँगा और तेरे नाम का भजन गाऊँगा।

वह अपने राजा को महान उद्धार प्रदान करता है और अपने अभिषिक्त, दाऊद और उसके वंश पर सदा के लिए दृढ़ प्रेम दिखाता है। यहोवा जीवित है और मेरी चट्टान धन्य है और मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर की स्तुति हो, जिसने मुझे मेरे शत्रुओं से छुड़ाया है। हाँ, तूने मुझे उन लोगों से ऊपर उठाया जो मेरे विरुद्ध उठे थे और मुझे हिंसा करनेवाले मनुष्य से बचाया है।

जब परमेश्वर इस्राएल को वादा किए गए देश पर कब्ज़ा करने के लिए भेजता है, तो वह उन्हें वह सारी ज़मीन देता है जिसे देने की शपथ उसने उनके पूर्वजों से ली थी, यहोशू 21:43। इस्राएल को सभी कनानियों और उनकी मूर्तियों को देश से निकालने में विफल होने की ज़िम्मेदारी उठानी पड़ती है, क्योंकि, उद्धरण, इस्राएल के घराने से किए गए प्रभु के अच्छे वादों में से कोई भी विफल नहीं हुआ। सभी वादे पूरे हुए, यहोशू 21:45।

परमेश्वर के सभी लोग परमेश्वर की महान वफादारी की प्रशंसा करने में भजनकार के साथ शामिल हो सकते हैं। भजन 89:1, 3 से 5 और 8, उद्धरण, मैं अपने मुंह से सभी पीढ़ियों के लिए आपकी वफादारी की घोषणा करूंगा। प्रभु ने कहा, मैंने अपने चुने हुए के साथ एक वाचा बाँधी है।

मैंने अपने सेवक दाऊद से शपथ खाई है। मैं तेरी राजगद्दी को पीढ़ी-दर-पीढ़ी बनाए रखूँगा। हे यहोवा, स्वर्ग तेरे आश्चर्यकर्मों की, और पवित्र लोगों की सभा में तेरी सच्चाई की स्तुति करता है।

हे सेनाओं के परमेश्वर यहोवा, हे सेनाओं के परमेश्वर यहोवा, हे यहोवा, तू तो तेरे समान बलवान है, हे यहोवा, तेरी सच्चाई तेरे चारों ओर है। भजन 81:1, 3 से 5,

8. बेबीलोन के निर्वासन में इस्राएल को लगता है कि प्रभु ने उसे भुला दिया है, लेकिन वह सांत्वना देता है, उद्धरण, क्या कोई स्त्री अपने दूध पीते बच्चे को भूल सकती है या अपने गर्भ से जन्मे बच्चे के प्रति दया नहीं कर सकती? भले ही ये भूल जाएँ, फिर भी मैं तुम्हें नहीं भूलूँगा। देखो, मैंने तुम्हें अपनी हथेलियों पर अंकित किया है। तुम्हारी दीवारें हमेशा मेरे सामने रहती हैं। यशायाह 49:15 और 16। वाचा की वफादारी में, परमेश्वर यरूशलेम की नष्ट हुई दीवारों को याद रखता है और अपने लोगों की ओर से कार्य करेगा।

जब भी चीजें निराशाजनक लगती हैं, तब भी प्रत्येक विश्वासी पुराने नियम के सच्चे संतों के साथ कह सकता है, उद्धरण, फिर भी मैं इसे ध्यान में रखता हूँ और इसलिए मुझे आशा है। प्रभु के वफादार प्रेम के कारण, हम नाश नहीं होते। क्योंकि उसकी दया कभी खत्म नहीं होती।

वे हर सुबह नए होते हैं। आपकी वफादारी महान है। मैं कहता हूँ कि प्रभु मेरा भाग है।

इसलिये मैं उस पर आशा रखूँगा। विलापगीत 3:21 से 24. विलापगीत 3:21 से 24.

और यह वास्तव में विलाप की पुस्तक है। वाह, निराशा के बीच आशा की कितनी अद्भुत अभिव्यक्ति। पॉल नए नियम के विश्वासियों को आश्चस्त करता है कि परमेश्वर हमें अंत तक सहारा देगा।

वह हमें सहारा देगा, 1 कुरिन्थियों 1:8, उद्धरण, हमारे प्रभु यीशु मसीह के दिन में निर्दोष, 1 कुरिन्थियों 1:8। हमारे भरोसे का आधार क्या है? "परमेश्वर सच्चा है। उसने तुम्हें अपने पुत्र यीशु मसीह, हमारे प्रभु की संगति में बुलाया है," 1 कुरिन्थियों 1:9। हमें जंगल में इस्राएलियों के पापों, मूर्तिपूजा, यौन अनैतिकता, परमेश्वर की परीक्षा लेने और बड़बड़ाने को नहीं दोहराना चाहिए। हमें इस आश्वासन के साथ अति आत्मविश्वास से बचना चाहिए।

"तुम पर कोई ऐसी परीक्षा नहीं आई जो मनुष्य के लिए सामान्य नहीं है। लेकिन परमेश्वर विश्वासयोग्य है। वह तुम्हें तुम्हारी क्षमता से बाहर परीक्षा में नहीं पड़ने देगा। लेकिन परीक्षा के साथ-साथ वह उससे बाहर निकलने का रास्ता भी निकालेगा ताकि तुम उसे सह सको।" 1 कुरिन्थियों 10:13। परमेश्वर की विश्वासयोग्यता के प्रति उचित प्रतिक्रियाओं में हमारी कृतज्ञता,

आज्ञाकारिता और बदले में विश्वासयोग्यता शामिल है। जब हम पाप करते हैं और पश्चात्ताप करते हैं, तब भी परमेश्वर की विश्वासयोग्यता हमें सहारा देती है, 1 यूहन्ना 1 :9। यदि हम अपने पापों को स्वीकार करते हैं, तो वह हमारे पापों को क्षमा करने और हमें सभी अधर्म से शुद्ध करने के लिए विश्वासयोग्य और धर्मी है, 1 यूहन्ना 1:9। जैसा कि हम इस व्याख्यान का समापन करते हैं, परमेश्वर के इस गुण का अर्थ है कि हम सभी परिस्थितियों में उस पर और उसके वचन पर पूरी तरह भरोसा कर सकते हैं।

यहाँ तक कि अंतिम उद्धार का हमारा आश्वासन भी हम में नहीं, बल्कि उसकी वफ़ादारी में निहित है। 1 थिस्सलुनीकियों 5:23,24. "अब शांति का परमेश्वर आप ही तुम्हें पूरी तरह से पवित्र करे, और तुम्हारी आत्मा, प्राण और शरीर हमारे प्रभु यीशु मसीह के आने पर पूरी तरह से स्वस्थ और निर्दोष रहें। जो तुम्हें बुलाता है, वह विश्वासयोग्य है। वह ऐसा करेगा।" 1 थिस्सलुनीकियों 5:23, 24. पवित्र आत्मा हमें मसीह से जोड़ता है। वह हमें आध्यात्मिक रूप से मसीह से जोड़ता है और हमारे अंदर आत्मा के फल उत्पन्न करता है।

और उस फल में विश्वासयोग्यता शामिल है। गलातियों 5:22, 23. हमारे अगले व्याख्यान में, हम परमेश्वर के संचार योग्य गुणों के बारे में बात करना जारी रखेंगे और इस तथ्य को देखेंगे कि, सबसे पहले, परमेश्वर पवित्र है।

यह डॉ. रॉबर्ट पीटरसन द्वारा धर्मशास्त्र उचित, या परमेश्वर पर उनके शिक्षण में दिया गया है। यह सत्र 14, संचार योग्य गुण, भाग 1 है। परमेश्वर व्यक्तिगत, संप्रभु, बुद्धिमान, सत्यनिष्ठ और विश्वासयोग्य है।